Teacher's Way-Sudhir Sir

CTET Notes

बाल विकास एवं शिक्षा शास्त्र

CDP Hanwritten Theory Notes

Sudhir Sir CDP Notes

Teacher's Way

7906236059

Section – 1

Child Development **15 Marks**

1. Concept of development & its relationship with learning. (विकास का संप्रत्य व अधिगम के साथ सम्बन्ध)
2. Principles of development (विकास के सिद्धांत)
3. Heredity and Environment (आनुवंशिकता एवं वातावरण)
4. Socialisation Process (समाजीकरण की प्रक्रिया)
5. Piaget, Vygotsky & Kohlberg (पियाजे, वायगोत्सकी और कोहल्बेर्ग का सिद्धांत)
6. Child-Centered & Progressive Education (बाल-केंद्रित एवं प्रगतिशील शिक्षा)
7. Concept of Intelligence (बुद्धि का संप्रत्य)
8. Multi-Dimensional Intelligence (बहु-आयामी बुद्धि का सिद्धान्त)
9. Language & Thought (भाषा एवं विचार)
10. Gender as a Social Construct (लिंग एक सामाजिक संरचना)
11. Individual Differences (व्यक्तिगत विभिन्नताएँ)
12. School Based Assessment & CCE (सतत एवं व्यापक मूल्यांकन)

Teachers way- Sudhir Sir

Section – 2

Concept of Inclusive Education and CWSN (समावेशी शिक्षा)

- 5 Marks

1. Addressing learners from diverse backgrounds including disadvantages and deprived.

   (वंचित समूह एवं विभिन्नताओं वाले बच्चे)

2. Addressing the needs of Children with learning difficulties, 'impairment' etc.

   (अधिगम अक्षमताओं वाले बच्चे)

3. Addressing with Talented, Creative, specially abled Learners

   (प्रतिभाशाली, रचनात्मक एवं विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चे)

Section – 3

Learning and Pedagogy (अधिगम एवं शिक्षण-शास्त्र)

- 10 Marks

1. How children think and learn and why children fail?

   (चिंतन एवं असफलता के कारण)

2. Learning as s Social Activity & Motivation

   (अधिगम व अभिप्रेरणा)

3. Alternative conceptions and errors.

   (वैकल्पिक अवधारणाएँ व बच्चों की त्रुटियाँ)

Teachers way- Sudhir Sir

वृद्धि एवं विकास (Growth and Development)

बाल विकास :- विकास का अर्थ है परिवर्तन है, परिवर्तन हर समय चलता रहता है इसमे केवल अंगो का विकास ही नही बल्कि सामाजिक, संवेगीक अवस्थाओ मे भी होने वाला परिवर्तन है।

क्रो एण्ड क्रो के अनुसार → बाल मनोविज्ञान वह विज्ञान है जो व्यक्ति के विकास का वैज्ञानिक अध्यन गर्भकाल से किशोरावस्था तक करता है।

ड्रेवर के अनुसार :- बाल मनोविज्ञान, मनोविज्ञान की वह शाखा है जो प्राणि के विकास का अध्यन जन्म से परिपक्वता तक करती है।

वृद्धि व विकास

विकास एक ऐसी प्रक्रिया है जो सतत चलती रहती है तथा जिसमे गुणात्मक परिवर्तन एवं परिमाणात्मक (मात्रात्मक) परिवर्तन दोनो सम्मिलित होते है।

वृद्धि (Growth) < विकास (Development)

वृद्धि (Growth)	विकास (Development)
परिपक्वता के बाद रुक जाती है।	गर्भ से कब्र तक Womb to Tomb

गुणात्मक परिवर्तन → कार्यशैली (way of Doing somthing) कार्य शैली, व मानसिक समझ आदि।

परिमाणात्मक परिवर्तन → Hight, weight, shape (ऊचाई, भार, आकार)

The Development change are POS. (Progressive, Order, Sequential)

सतत:→ सतत का अर्थ है लगातार चलते रहना पीछे की अवस्था पर पुनः ध्यान नही देना।

विकास के व्यापक डोमेन (Brod Domain of Development)

→ शारीरिक विकास
→ मानसिक / संज्ञानात्मक विकास
→ सामाजिक विकास
→ संवेगिक विकास

P→C→S→E

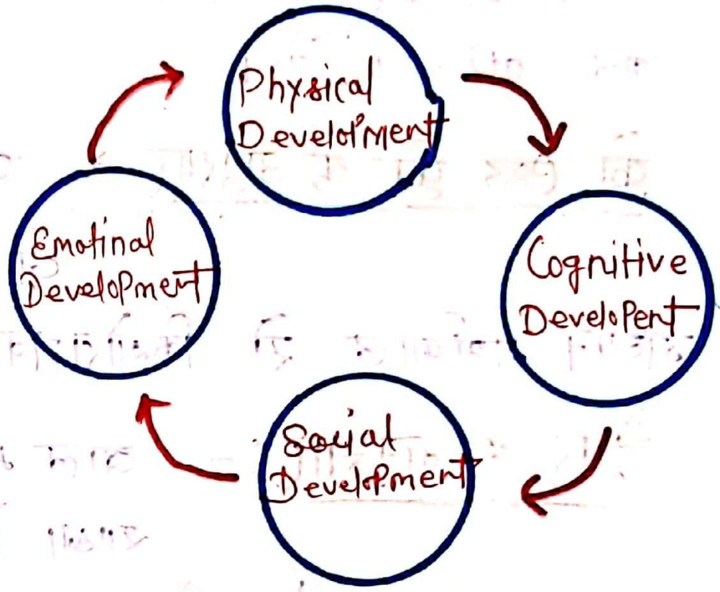

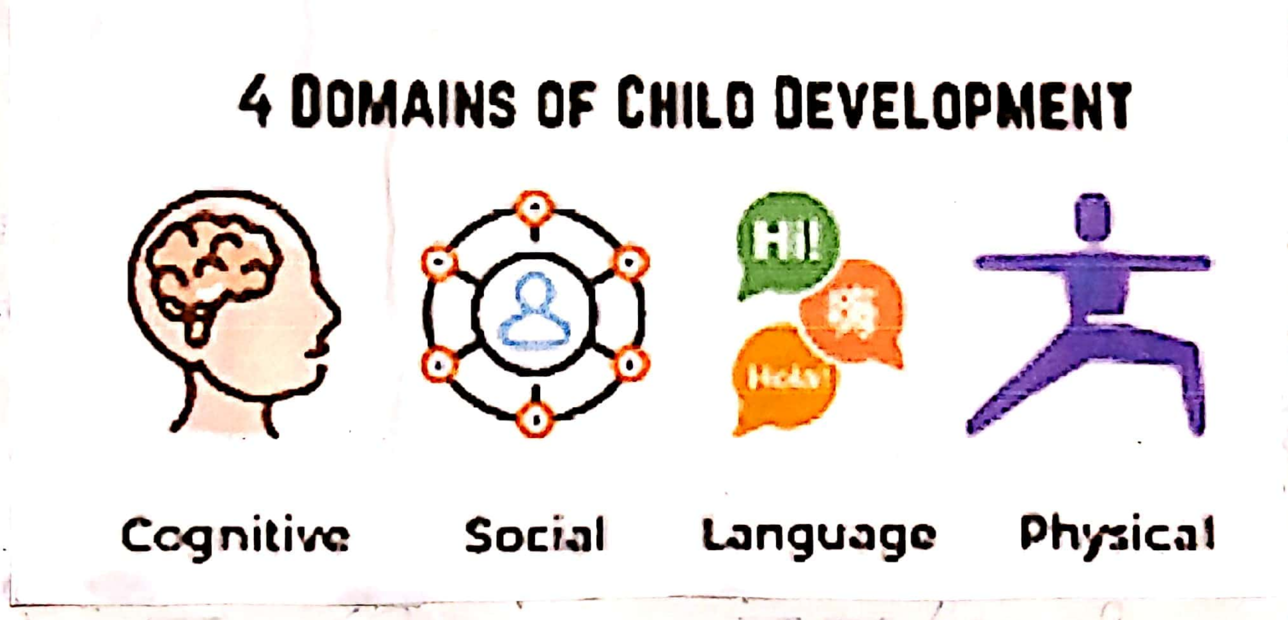

(1) Physical Development (शारीरिक विकास) →

Hight, weight, size, shape, etc.

Teachers way- Sudhir Sir

Mater Develofment (गतिक विकास)

गति संबंधित पक्ष जो शारीरिक विकास से सम्बंधित है।

(i) Gross Mater Skill (स्थूल गतिक कौशल)

(ii) Fine Mater Skill (सूक्ष्म गतिक कौशल)

G → F
Direction
→ स्थूल से सूक्ष्म की ओर विकास होता है।

(a) Gross mater skill (स्थूल गतिक कौशल)

- Arm की Muscles
- Legs की Muscles
- बड़ी Muscles

Example →
- Running
- Jumping
- Swiming
- Cycling
- Walking
- Dancing etc

(b) Fine mater skill (सूक्ष्म गतिक कौशल)

- आँख की मांसपेशिया
- छोटी-2 मांसपेशिया
- अंगुली की मांसपेशिया

Example →
- Writing
- Drawing
- Typing
- Cutting
- Stiching

(2) Cognitive Development (संज्ञानात्मक विकास)

or

Mental Development (मानसिक विकास)

or

Intellectual Development (बौद्धिक विकास)

संज्ञानात्म पक्ष मे विकास से अर्थ मानसिक क्षमताओ के विकसित होने से है, संज्ञान का अर्थ है दिमाग, बौद्धिक क्षमताओ का विकास।

Ex → सोचना, तर्क, कल्पना, मेमोरि, भाषा विकास, समस्या समाधान, अवधान, निर्णय निर्माण etc.

Brain

Left Brain	Right Brain
Logic (तर्क)	Cretive (रचनात्मकता)
(Science, Math, Language)	(Drawing, Music, Dance)

Note → संप्रत्यात्मक विकास (Conceptual Development) भी संज्ञानात्मक विकास का ही भाग है।

(3) Social Development (सामाजिक विकास)

→ समाज के अन्तर्गत निहित नियमो का अनुपालन करना इसी से संबंधित है।

→ समाजिकरण जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है जीवन से मृत्यु तक।

(4) Emotional Development (सांवेगिक विकास)

→ रैंयस के अनुसार संवेग / भावना वह विकास है जो हमारे अंदर रंग भरती है।

→ सामाजिक व सांवेगिक विकास एक दूसरे से संबंधित है।

→ watson के अनुसार 3 इमोशन जन्म से होते हैं -

- Fear (भय)
- Anger (क्रोध)
- Love (प्रेम)

Development (विकास) → इसमे सभी आ जाते हैं (G, M, L)

Maturity (परिपक्वता) → ज्यादातर आनुवांशिकता से संबंधित है। (Naturaly)

Learning (अधिगम) → effort and Practice

Note → अधिगम एवं परिपक्वता एक दूसरे की पूरक प्रकिया है।

Area of Development (विकास के पक्ष) (PCS-E)

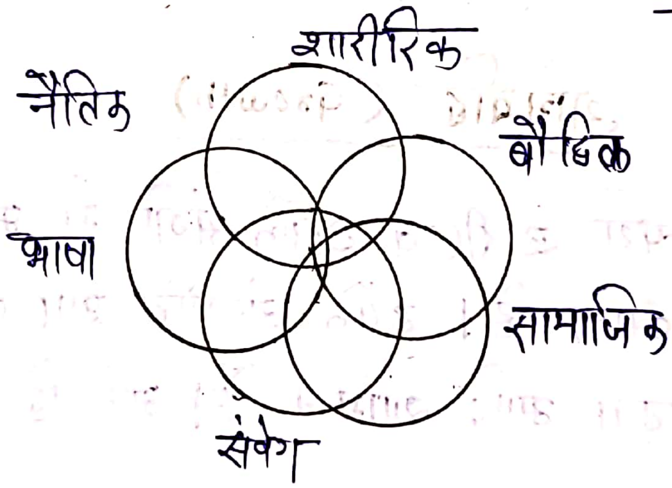

→ विकास मे प्रगतिशील और अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन शामिल है व इन परिवर्तनो को परिवर्तित नही किया जा सकता है।

Note → किसी बीमारी अथवा थकान के कारण होने वाले परिवर्तन विकास मे शामिल नही है।

→ विकास एक सतत प्रक्रिया है जिसमे विकास परिपक्वता और सीखना शामिल है।

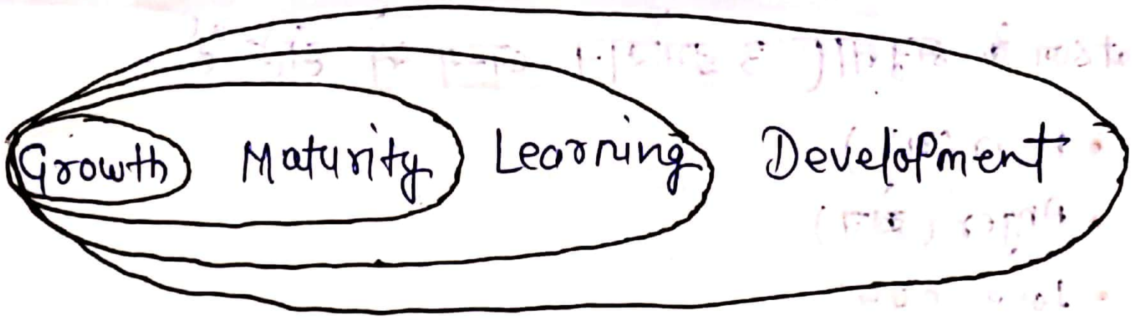

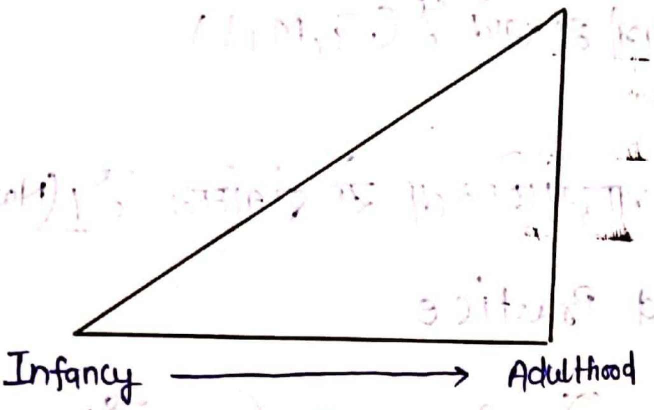

सतत विकास
(वायगोत्सकी)

असतत विकास
(पियाजे)

Teachers way- Sudhir Sir

अभिवृद्धि (Growth)

अभिवृद्धि से तात्पर्य शरीर व उसके अंगों में भार व आकार में वृद्धि से लिया जाता है। इसके अन्तर्गत भार बढ़ना, बालों का बढ़ना, नाखूनों का बढ़ना आदि शामिल है। अभिवृद्धि को मापा व तौला जा सकता है।

→ अभिवृद्धि परिपक्वता तक चलने वाली प्रक्रिया है।
→ अभिवृद्धि वह परिवर्तन है जिसे स्पष्ट देखा जा सकता है।
→ अभिवृद्धि एक क्रमिक प्रक्रिया है।

Difference between Growth and Development

वृद्धि / अभिवृद्धि	विकास
1. मात्रात्मक या परिणात्मक परिवर्तन।	परिणात्मक के साथ - 2 गुणात्मक परिवर्तन।
2. वृद्धि सामान्यत: शारीरिक परिवर्तनो से संबंधित है।	2. जबकि विकास से आशय शरीर के विभिन्न, शारीरिक, मानसिक तथा व्यवहारिक संगठन है।
3. अभिवृद्धि को देखा या मापा जा सकता है।	3. विकास को मापना कठिन है लेकिन अवलोकन कर सकते है।
4. इसमे संरचनात्मक परिवर्तन शामिल है, और एक समय के बाद रुक जाती है।	4. इसमे प्रकार्यात्मक परिवर्तन शामिल है, यह निरन्तर चलता रहता है।

Note → वृद्धि व विकास एक दूसरे के पूरक होते है।

वृद्धि व विकास को प्रभावित करने वाले कारक

आन्तरिक कारण

- रोग
- बुद्धि (IQ Level)
- स्वास्थ
- सोच की प्रक्रिया

बाह्य कारण

- समाज
- इकोनामी Background
- food
- culture
- envirment
- Availble Resources

Note → विकास के हरएक चरण मे हमसे सामाजिक अपेक्षाएँ होती है इन अपेक्षाओ को हम विकासात्मक प्रकार्य (Devlopmental Task) कहते है।

Plasticity (प्लास्टीसिटी) नमनीयता

↳ Changibility in Development

↳ विकास मे परिवर्तन संभव है। Modification

↳ मनुष्य जीवन भर परिवर्तनो से सीखता रहता है।

Neuro Plasticity ⇒ अनुभव मस्तिष्क को कैसे बदलता है।

Plasticity ⇌ Flexibility

नमनीयता लचीलापन

CTET

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
दिल्ली
असतो मा सद्गमय

CENTRAL TEACHER ELIGIBILIT TEST

बाल विकास एवं शिक्षा शास्त्र

A special Notes For
CTET,UPTET,UTET,DSSSB,REET, Super TET,KVS एवं अन्य शिक्षक भर्ती परीक्षाओ के लिए उपयोगी

- **CTET Special E-Book**
- **Previous Year Question**
- **90% प्रश्न फसने की गारंटी**

1500 चैप्टर वाइज MCQ प्रश्नों की सिरीज़

Teachers way

सुधीर सर

INDEX

CDP-15 प्रश्न

1. वृद्धि एवं विकास
2. सामाजिकरण
3. विकास के चरण
4. बाल केन्द्रित शिक्षा व प्रगतिशील शिक्षा
5. आनुवांशिकता एवं वातावरण
6. जिन पियाजे थ्योरी के प्रश्न
7. वायगोत्सकी थ्योरी के प्रश्न
8. कोहलवर्ग का नैतिक विकास
9. भाषा व विचार
10. लिंग व सामाजिक मुद्दे
11. बुद्धि का संप्रत्यय
12. व्यक्तिगत भिन्नता
13. सतत एवं व्यापक मूल्यांकन

समावेशी शिक्षा – 5 प्रश्न

14. समावेशी शिक्षा व अधिगम अक्षमता वाले बच्चे व प्रतिभाशाली बच्चे

अधिगम व शिक्षणशास्त्र – 10 प्रश्न

15. अधिगम व शिक्षणशास्त्र, अभिप्रेरणा, चिन्तन

Instagram- https://www.instagram.com/examgurusudhir YouTube- https://youtube.com/@teacherswaybed?si=q- Whatsapp- 7906236059
Teligram- https://t.me/TeachersWay Application- https://play.google.com/store/apps/details?id=com.teachers.way

CDP TOPICWISE PRACTICE SET

1. GROWTH & DEVELOPMENT

1. विकास शुरू होता है-

(a) गर्भावस्था से

(b) शैशवावस्था से

(c) पूर्व बाल्यावस्था से

(d) बाल्यावस्था के बाद से

2. मानव विकास को इन क्षेत्रों में विभाजित किया जाता है-

(a) संवेगात्मक, संज्ञानात्मक, आध्यात्मिक और सामाजिक मनोवैज्ञानिक

(b) मनोवैज्ञानिक, संज्ञानात्मक, संवेगात्मक और शारीरिक

(c) शारीरिक, आध्यात्मिक, संज्ञानात्मक और सामाजिक

(d) शारीरिक, संज्ञानात्मक, संवेगात्मक और सामाजिक

3. नैतिक विकास को समझने में एक महत्वपूर्ण अवधारणा समावेशन है, किसने कहा है?

(a) कोहलबर्ग

(b) सिग्मंड फ्रॉयड

(c) मार्टिन हॉफमैन

(d) इनमें से कोई नहीं

4. बाल विकास की किस अवस्था में बालक का आकर्षण विषमलिंगी के प्रति अधिक हो जाता है?

(a) शैशवावस्था

(b) बाल्यावस्था

(c) किशोरावस्था

(d) प्रौढ़ावस्था

5. निम्न में से कौन-सा विकास का सिद्धान्त नहीं है?

(a) विशिष्ट से सामान्य क्रियाओं का सिद्धान्त

(b) निरन्तरता का सिद्धान्त

(c) विभिन्नता का सिद्धान्त

(d) एकीकरण का सिद्धान्त

---

6. पियाजे के अनुसार, संज्ञानात्मक विकास के किस चरण पर बालक 'वस्तु निष्पांदन' को प्रदर्शित करता है?

(a) औपचारिक संक्रियात्मक चरण

(b) संवेदीगामक चरण

(c) पूर्व-संक्रियात्मक चरण

(d) मूर्त संक्रियात्मक चरण

---

7. बच्चों के बौद्धिक विकास के चार विशिष्ट चरणों को प्रतिपादित किया गया-

(a) कोहलवर्ग द्वारा

(b) एरिक्सन द्वारा

(c) स्किनर द्वारा

(d) पियाजे द्वारा

---

8. निम्नलिखित में से किस चरण में बच्चे अपने समवयस्क समूह के सक्रिय सदस्य बन जाते हैं?

(a) किशोरावस्था

(b) वयस्कावस्था

(c) शैशवावस्था

(d) बाल्यावस्था

Teachers Way - Sudhir Sir

9. विकास को साकार करने वाले पर्यावरणीय कारक में निम्नलिखित में से किसके अलावा सभी शामिल हैं?

(a) संस्कृति
(b) शिक्षा की गुणवत्ता
(c) शारीरिक सौष्ठव
(d) पोषण की गुणवत्ता

---

10. "विकास अनवरत प्रक्रिया है", यह विचार संबंधित है-

(a) अन्तर्संबंध का सिद्धान्त
(b) निरंतरता का सिद्धान्त
(c) एकीकरण का सिद्धान्त
(d) अंतः क्रिया का सिद्धान्त

---

11. बच्चों के भाषायी विकास का महत्वपूर्ण चरण कौन-सा होता है?

(a) शिशु अवस्था में
(b) बाल्यावस्था में
(c) किशोरावस्था में
(d) वयस्क अवस्था में

---

12. एल्बर्ट बैन्डूरा-

(a) दंड का भय सकारात्मक नैतिक विकास की कुँजी है।
(b) अच्छी शिक्षा सकारात्मक नैतिक विकास की कुंजी है।
(c) स्वः नियमन सकारात्मक नैतिक विकास की कुंजी है
(d) अमूर्त तर्क सकारात्मक नैतिक विकास की कुँजी है।

Teachers Way - Sudhir Sir

13. एक बालक की सिर से पैर की ओर विकास की दिशा ____ कहलाती है।

(a) सिफेलो-कॉडल

(b) समीप से दूर

(c) कोड़ो-सिफेलिक

(d) दूर से समीप

---

14. प्रारंभिक शिशु देखभाल एवं शिक्षा को कहा जाता है :

(a) ICDS

(b) ECCE

(c) MDMS

(d) DIET

---

15. "किशोरावस्था बड़े संघर्ष, तनाव, तूफान तथा विरोध की अवस्था है।"-यह कथन है :

(a) रम्सफील्ड का

(b) ई.ए. किल्पैट्रिक का

(c) सिम्पसन का

(d) स्टेनली हॉल का

---

16. बाल्यावस्था को 'संवेगात्मक विकास का अनोखा काल' कहा है-

(a) ई. एल. थॉर्नडाइक

(b) जे.बी. वाटसन

(c) बी.एफ. स्कीनर

(d) कोल एवं बुश

---

17. तीव्र शारीरिक विकास की अवस्था मानी जाती है-
(a) शैशवावस्था
(b) बाल्यावस्था
(c) किशोरावस्था
(d) वयस्कावस्था

---

18. प्युबर्टी (Puberty) का तात्पर्य किस अवस्था से सम्बद्ध है?
(a) शैशवावस्था
(b) बाल्यावस्था
(c) किशोरावस्था
(d) वयस्कावस्था

---

19. विकास का सम्बन्ध होता है-
(a) मात्रात्मक
(b) गुणात्मक
(c) भावात्मक
(d) इनमें से सभी

---

20. मानवीय विकास कुछ निश्चित सिद्धान्तों पर आधारित होता है। इनमें से कौन-सा सिद्धांत मानवीय विकास का नहीं है?
(a) श्रृंखलाबद्ध
(b) सामान्य से विशेष
(c) प्रतिवर्ती
(d) निरंतरता

Teachers Way - Sudhir Sir

21. अवधारणाओं का व्यवस्थित प्रदर्शन निम्न में से किन सिद्धान्तों के विकास से संबंधित है?

(a) विकास प्रगति की ओर ले जाता है।

(b) विकास अधीनता से स्वायत्ता की तरफ ले जाता है।

(c) बच्चे विभिन्न दरों से विकसित होते हैं।

(d) विकास अपेक्षाकृत व्यवस्थित है।

---

22. ब्लूम का वर्गीकरण श्रेणीबद्ध संगठन है-

(a) उपलब्धि लक्ष्य

(b) पाठ्यक्रम घोषणाएँ

(c) पठन कौशल

(d) संज्ञानात्मक उद्देश्य

---

23. डे केयर क्या है?

(a) बच्चों की देखभाल की प्रक्रिया

(b) बच्चों के लिए निवास केन्द्र

(c) बच्चों के अधिगम की प्रक्रिया

(d) शिशुओं के लिए निवास केन्द्र (0-10 वर्ष)

---

24. एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक _____ से विशेषताएँ पहुँचती हैं।

(a) आनुवंशिकता

(b) जीन

(c) पर्यावरण

(d) गुणसूत्र

Teachers Way - Sudhir Sir

ANSWER KEY

1. (b)	2. (d)	3. (a)	4. (c)	5. (a)
6. (d)	7. (d)	8. (a)	9. (c)	10. (b)
11. (c)	12. (c)	13. (a)	14. (b)	15. (d)
16. (a)	17. (a)	18. (c)	19. (d)	20. (c)
21. (d)	22. (d)	23. (b)	24. (a)	25. (a)
26. (b)	27. (a)	28. (d)	29. (a)	30. (c)
31. (c)	32. (b)	33. (c)	34. (b)	35. (a)
36. (c)	37. (d)	38. (a)	39. (a)	40. (b)
41. (a)	42. (a)	43. (d)	44. (b)	45. (d)
46. (a)	47. (c)	48. (c)	49. (c)	50. (c)
51. (b)	52. (b)	53. (d)	54. (a)	55. (b)
56. (a)	57. (d)	58. (c)	59. (d)	60. (c)
61. (d)	62. (b)	63. (a)	64. (b)	65. (b)
66. (a)	67. (a)	68. (d)	69. (d)	70. (c)
71. (b)	72. (a)	73. (d)	74. (b)	75. (a)

Teachers Way - Sudhir Sir

Teacher's Way-Sudhir Sir

CTET Notes

HIstory NCERT Short Notes

HISTORY

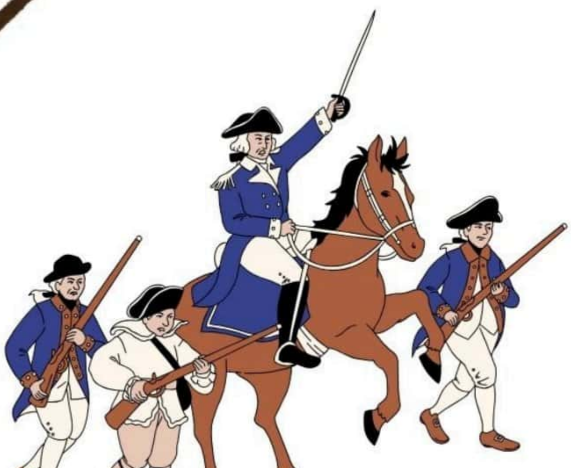

Sudhir Sir

Teacher's Way

7906236059

CTET SST SPECIAL NCERT HISTORY

CLASS -6to8

TEACHER'S WAY

अध्याय 1 प्रारंभिक कथन : क्या, कब, कहाँ और कैसे?

अतीत के बारे में हम क्या जान सकते हैं? अतीत के बारे में बहुत कुछ जाना जा सकता है–जैसे लोग क्या खाते थे, कैसे कपड़े पहनते थे, किस तरह के घरों में रहते थे? हम आखेटकों (शिकारियों),पशुपालकों , कृषकों, शासकों, व्यापारियों, पुरोहितों, शिल्पकारों, कलाकारों, संगीतकारों या फिर वैज्ञानिकों के जीवन के बारे में जानकारियां हासिल कर सकते हैं। यही नहीं हम यह भी पता कर सकते हैं कि उस समय बच्चे कौन-से खेल खेलते थे, कौन-सी कहानियां सुना करते थे, कौन-से नाटक देखा करते थे या फिर कौन-कौन से गीत गाते थे।

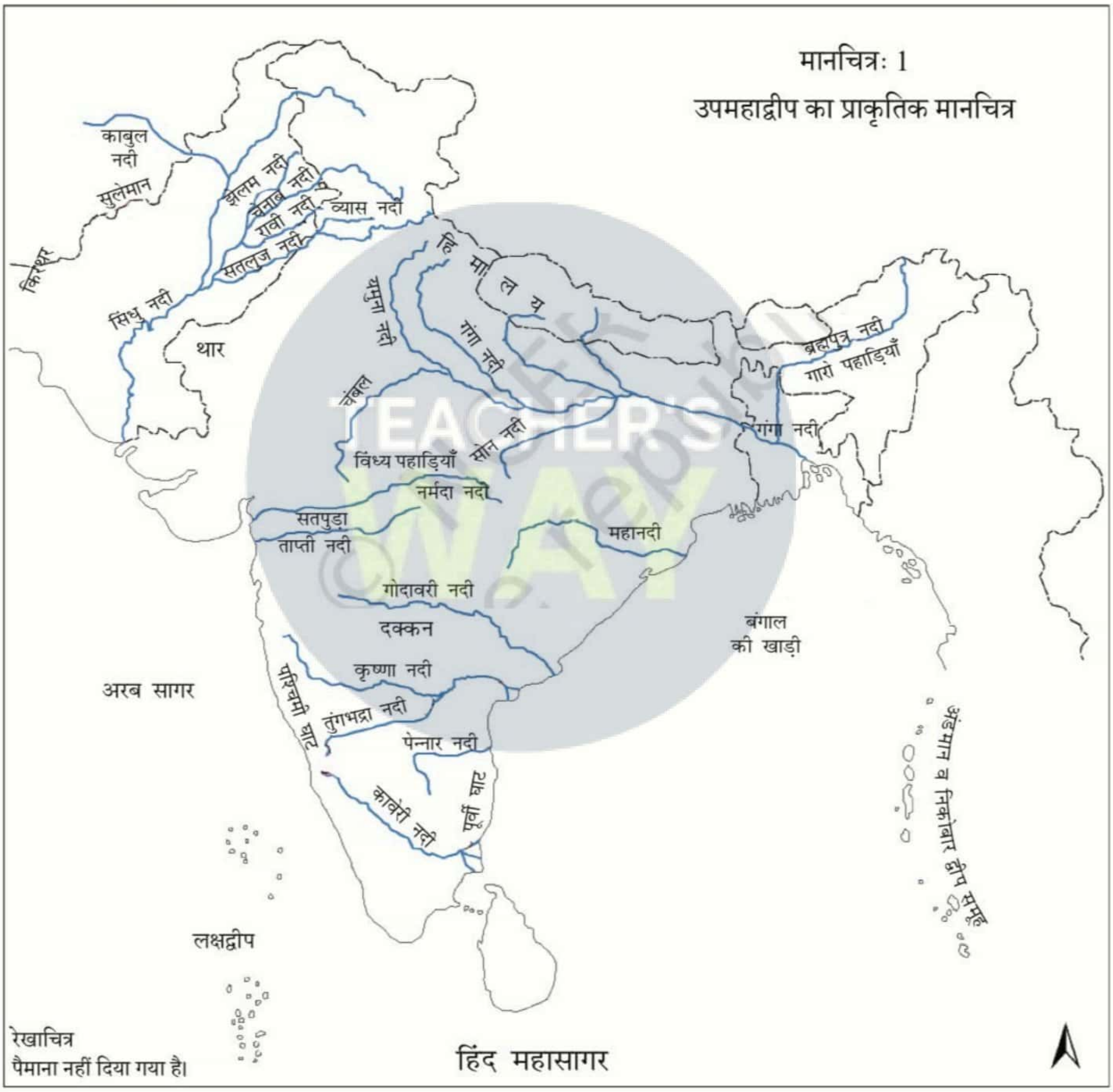

मानचित्रः 1
उपमहाद्वीप का प्राकृतिक मानचित्र

TEACHER'S WAY

महत्वपूर्ण बिंदु(important point):

★ उत्तर पश्चिम की सुलेमान और किरथर पहाड़ी इस क्षेत्र में लगभग 8000 वर्ष पूर्व स्त्री पुरुषों ने सबसे पहले गेहूं तथा जौ जैसी फसलों को उपजाना आरंभ किया उन्होंने भेड़, बकरी और गाय ,बैल जैसे पशुओं को पालतू बनाना शुरू किया ये लोग गांव में रहते थे

★ उत्तर-पूर्व में गारो तथा मध्य भारत में विंध्य पहाड़ि: ऐसे क्षेत्र थे जहाँ कृषि का विकास हआु । जहाँ सबसे पहले चावल उपजाया गया वे स्थान विंध्य के उत्तर में स्थित थे।

★ इण्डिया शब्द इण्डस से निकला है जिसे संस्कृत में सिंधु कहा जाता हैं

★ पुस्तके हाथ से लिखी होने के कारण पाण्डुलिपि कही जाती हैं। अग्रेजी में 'पाण्डुलिपि' के लिए प्रयक्तु होने वाला 'मैन्यूस्क्रिप्ट' शब्द लैटिन शब्द ''मेन्यू ' जिसका अर्थ हाथ है, से निकला है। ये पाण्डुलिपियाँ प्रायः ताड़पत्रों अथवा हिमालय क्षेत्र में उगने वाले भूर्ज नामक पेड़ की छाल से विशेष तरीके से तैयार भोजपत्र पर लिखी मिलती हैं।

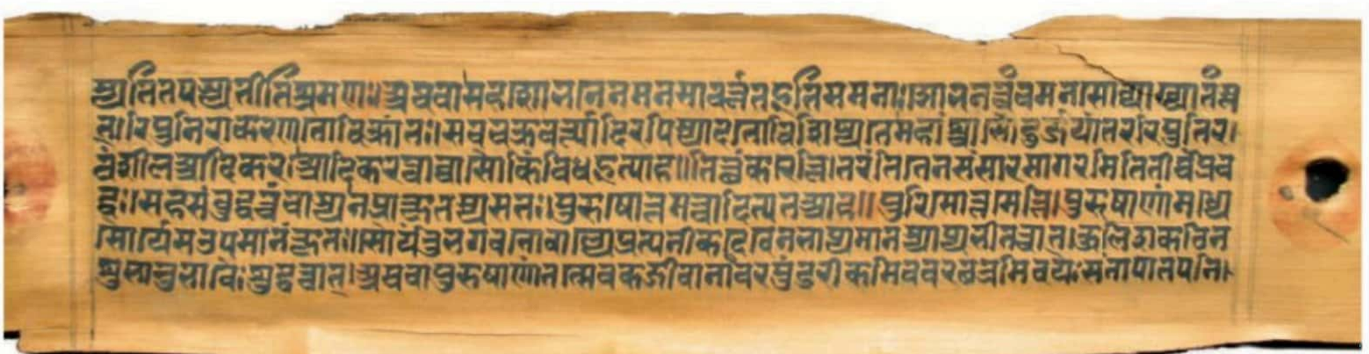

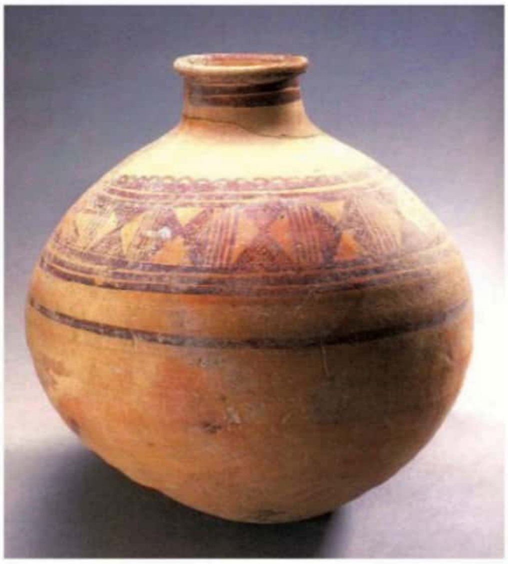

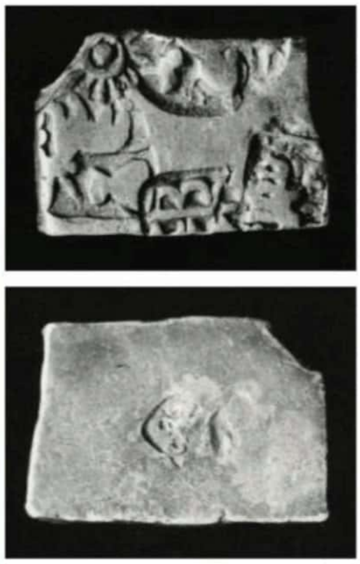

बाएँ: एक प्राचीन नगर से प्राप्त पात्र।
इस तरह के पात्रों का प्रयोग 4700 वर्ष पूर्व होता था।
दाएँ: एक पुराना चाँदी का सिक्का।
इस तरह के सिक्कों का प्रयोग लगभग 2500 वर्ष पूर्व होता था।
हमारे द्वारा आज प्रयोग में आने वाले सिक्कों से यह सिक्का कैसे भिन्न है?

कुछ महत्वपूर्ण

तिथियाँ

- कृषि का आरंभ (8000 वर्ष पूर्व)
- सिंधु सभ्यता के प्रथम नगर (4700 वर्ष पूर्व)
- गंगा घाटी के नगर, मगध का बड़ा राज्य (2500 वर्ष पूर्व)
- वर्तमान (लगभग 2000 वर्ष पूर्व)

इतिहास और तिथियाँ

अंग्रेजी में बी.सी. (हिंदी में ई.पू.) का तात्पर्य 'बिफ़ोर क्राइस्ट' (ईसा पूर्व) होता है।

कभी-कभी तुम तिथियों से पहले ए.डी. (हिंदी में ई.) लिखा पाती हो। यह 'एनो डॉमिनी' नामक दो लैटिन शब्दों से बना है तथा इसका तात्पर्य ईसा मसीह के जन्म के वर्ष से है।

कभी-कभी ए.डी. की जगह सी.ई. तथा बी.सी. की जगह बी.सी.ई. का प्रयोग होता है। सी.ई. अक्षरों का प्रयोग 'कॉमन एरा' तथा बी.सी.ई. का 'बिफ़ोर कॉमन एरा' के लिए होता है। हम इन शब्दों का प्रयोग इसलिए करते हैं क्योंकि विश्व के अधिकांश देशों में अब इस कैलेंडर का प्रयोग सामान्य हो गया। भारत में तिथियों के इस रूप का प्रयोग लगभग दो सौ वर्ष पूर्व आरंभ हुआ था।

कभी-कभी अंग्रेज़ी के बी.पी. अक्षरों का प्रयोग होता है जिसका तात्पर्य 'बिफ़ोर प्रेजेन्ट' (वर्तमान से पहले) है।

पृष्ठ 3 पर दो तिथियाँ हैं, उनका पता लगाओ। इनके लिए तुम किस अक्षर समूह का प्रयोग करोगी?

अध्याय 2
आखेट-खाद्य संग्रह से भोजन उत्पादन तक

TEACHER'S WAY

आरंभिक मानव : आखिर वे इधर-उधर क्यों घूमते थे? हम उन लोगों के बारे में जानते हैं, जो इस उपमहाद्वीप में बीस लाख साल पहले रहा करते थे। आज हम उन्हें आखेटक-खाद्य संग्राहक के नाम से जानते हैं। भोजन का इंतजाम करने की विधि के आधार पर उन्हें इस नाम से पुकारा जाता है। आमतौर पर खाने के लिए वे जंगली जानवरों का शिकार करते थे, मछलियाँ और चिड़िया पकड़ते थे, फल-मलू, दाने, पौधे-पत्तियाँ, अंडे इकट्ठा किया करते थे। आखेटक-खाद्य संग्राहक समुदाय लोग एक जगह से दूसरी जगह पर घूमते रहते थे। ऐसा करने के कई कारण थे।

आरंभिक मानव के बारे में जानकारी कैसे मिलती है?
(How do we get information about early humans)

पुरातत्वविदों को कुछ ऐसी वस्तुएं मिली हैं जिनका निर्माण और उपयोग आखेटक-खाद्य संग्राहक किया करते थे। यह सं भव है कि लोगों ने अपने काम के लिए पत्थरों, लकड़ियों और हड्डियो के औज़ार बनाए हों। इनमें से पत्थरों के औजार आज भी बचे हैं।

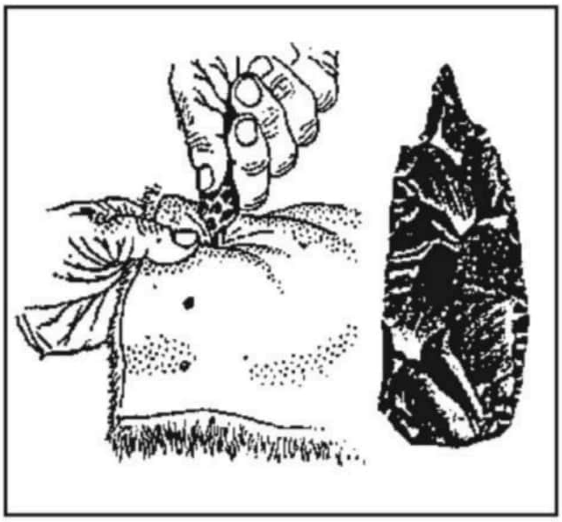

पत्थर के औज़ारों का उपयोग बाएँ : इसान के खाने योग्य जड़ों को खोदने के लिए किया जाता था, और दाएँ : जानवरों की खाल से बने वस्त्रों को सिलने के लिए किया जाता था।

महत्वपूर्ण बिंदु(important point)

- भीमबेटका (आधुनिक मध्य प्रदेश) इस पुरास्थल पर गुफाएं व कंदराएँ मिली हैं। लोग इन गुफाओं में इसलिए रहते थे, क्योंकि यहाँ उन्हें बारिश, धूप और हवा से राहत मिलती थी। ये गुफाएँ नर्मदा घाटी के पास हैं।

- पुरास्थल उस स्थान को कहते हैं जहाँ औजार, बर्तन और इमारतों जैसी वस्तुओं के अवशेष मिलते हैं। ऐसी वस्तुओ का निर्माण लोगों ने अपने काम के लिए किया था और बाद में वे उन्हें वहीं छोड़ गए। ये ज़मीन के ऊपर, अंदर, कभी-कभी समुद्र और नदी के तल में भी पाए जाते हैं।
- आरंभिक काल को वे पुरापाषाण काल कहते हैं। यह दो शब्दों परा यानी 'प्राचीन ',और पाषाण यानी 'पत्थर' से बना है। यह नाम पुरास्थलों से प्राप्त पत्थर के औजारों के महत्व को बताता है। इस काल को भी तीन भागों में विभाजित किया गया है 'आरंभिक', 'मध्य' एवं 'उत्तर' पुरापाषाण युग।
- जिस काल में हमें पर्यावरणीय बदलाव मिलते हैं, उसे 'मेसोलिथि' यानी मध्य पाषाण युग कहते हैं। इस काल के पाषाण औजार आमतौर पर बहुत छोटे होते थे। इन्हें 'माइक्रोलिथ' यानी लघु पाषाण कहा जाता है। प्रायः इन औज़ारों में हड्डियों या लकड़ियों के मुठे लगे हँसिया और आरी जैसे औज़ार मिलते थे।
- पुरात्वविदों को कुछ पुरास्थलों पर झोपड़ियों और घरों के निशान मिले हैं। जैसे कि बुर्जहोम (वर्तमान कश्मीर में) के लोग गड्ढे के नीचे घर बनाते थे जिन्हें गर्तवास कहा जाता है।

मेहरगढ़ में जीवन-मृत्यु(Life-Death in Mehargarh)-

- यह ईरान जाने वाले सबसे महत्वपूर्ण रास्ते, बोलन दर्रे के पास एक हरा भरा समतल स्थान है।
- मेहरगढ़ संभवतः वह स्थान है, जहाँ के स्त्री-परुषों ने, इस इलाके में सबसे पहले जौ, गेहूँ उगाना और भेड़-बकरी पालना सीखा।
- यहाँ विभिन्न प्रकार के जानवरों की हड्डियां मिलीं। इनमें हिरण तथा सूअर जैसे जंगली जानवरों तथा भेड़ और बकरियों की हड्डिया हैं।
- मेहरगढ़ में इसके अलावा चौकोर तथा आयताकार घरों के अवशेष भी मिले हैं। प्रत्येक घर में चार या उससे ज्यादा कमरे हैं, जिनमें से कुछ संभवतः भंडारण के काम आते होंगे।

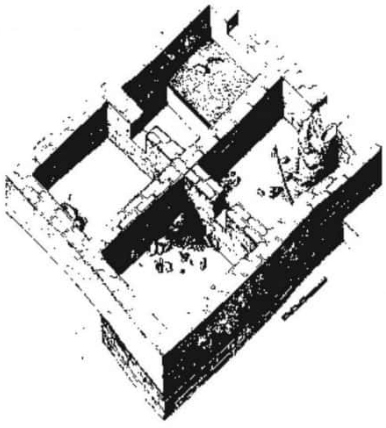

मेहरगढ़ के घर का चित्र।

- मृत्यु के बाद सामान्यतया मृतक के सगे संबंधी उसके प्रति सम्मान जताते हैं। लोगों की आस्था है कि मृत्यु के बाद भी जीवन होता है। इसीलिए कब्रों में मृतकों के साथ कुछ सामान भी रखे जाते थे।

Teacher's Way-Sudhir Sir

CTET Notes

Geography NCERT Short Notes

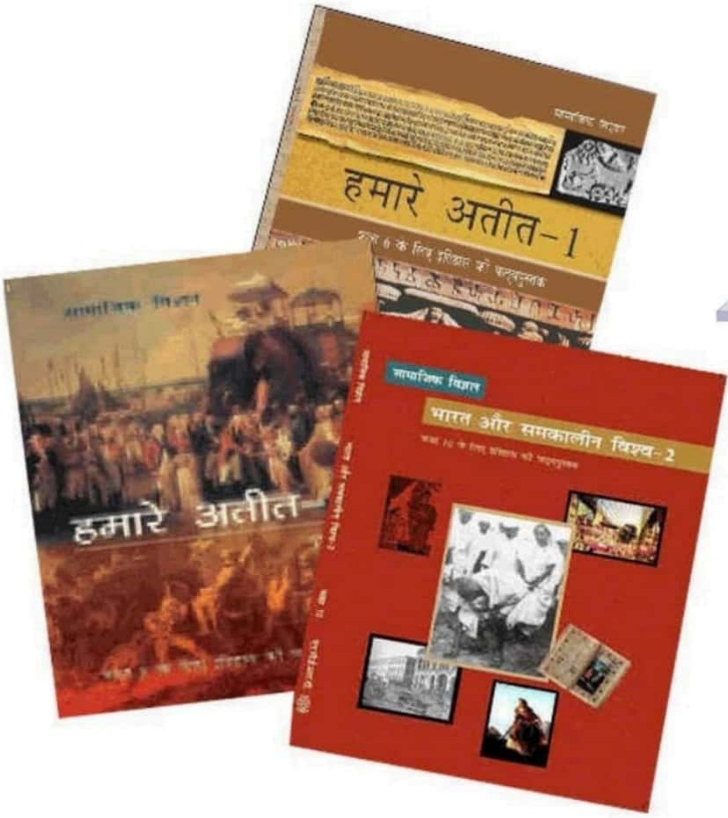

Sudhir Sir

Teacher's Way

7906236059

CTET SST SPECIAL NCERT GEOGRAPHY

CLASS -6to8

CLASS-06 पृथ्वी और हमारा आवास

TEACHER'S WAY

1. सौरमंडल में पृथ्वी

महत्वपूर्ण बिंदु (Important Points):

- सूर्य, चंद्रमा और रात के आकाश में चमकने वाली सभी वस्तुओं को आकाशीय पिंड कहा जाता है।
- कुछ आकाशीय पिंड बहुत बड़े और गर्म होते हैं। वे गैसों से बने होते हैं। उनके पास अपनी गर्मी और रोशनी होती है, जिसे वे बड़ी मात्रा में उत्सर्जित करते हैं। इन आकाशीय पिंडों को तारे कहा जाता है। सूर्य एक तारा है।
- रात के आकाश को देखते समय, आप तारों के विभिन्न समूहों द्वारा बनाए गए विभिन्न पैटर्न देख सकते हैं। इन्हें नक्षत्र कहा जाता है। उरसा मेजर या बिग बीयर एक ऐसा ही नक्षत्र है। सबसे आसानी से पहचाने जाने वाले नक्षत्रों में से एक सप्तर्षि (सप्त-सात, ऋषि-मुनि) है। यह सात तारों का एक समूह है जो उरसा मेजर तारामंडल का एक हिस्सा है।
- प्राचीन काल में लोग तारों की मदद से रात के समय दिशाएँ निर्धारित करते थे। उत्तर सितारा उत्तर दिशा को इंगित करता है। इसे ध्रुव तारा भी कहा जाता है। यह

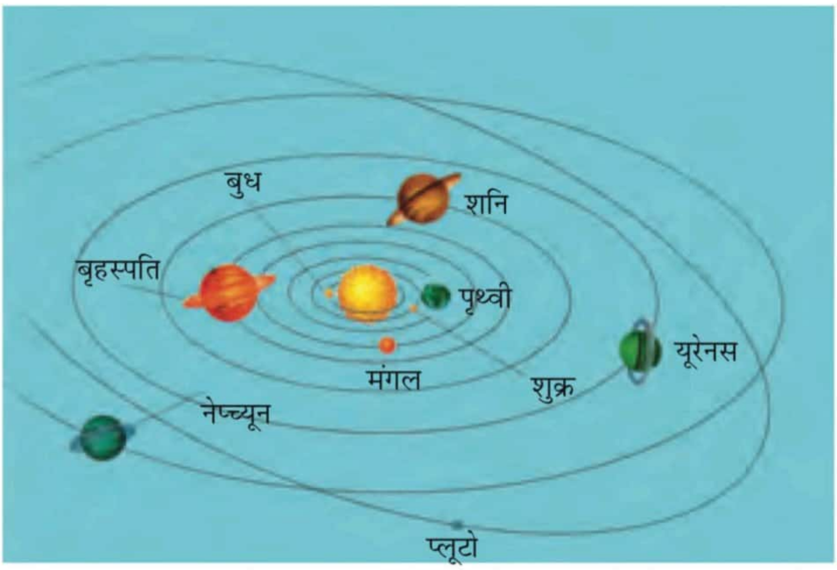

हमेशा आकाश में एक ही स्थिति में रहता है। हम सप्तर्षि की मदद से ध्रुव तारे की स्थिति का पता लगा सकते हैं।

चित्र 1.1 : सप्तऋषि एवं ध्रुव तारा

- आप देखेंगे कि यदि सूचक तारों को जोड़ते हुए एक काल्पनिक रेखा खींची जाए और उसे आगे बढ़ाया जाए, तो यह ध्रुव तारे की ओर इशारा करेगी।
- कुछ खगोलीय पिंडों में अपनी ऊष्मा और प्रकाश नहीं होता। वे तारों के प्रकाश से प्रकाशित होते हैं। ऐसे पिंडों को ग्रह कहा जाता है। 'ग्रह' शब्द ग्रीक शब्द "प्लेनेटाई" से आया है जिसका अर्थ है 'भटकने वाले'।
- जिस पृथ्वी पर हम रहते हैं वह एक ग्रह है। इसे अपनी सारी ऊष्मा और प्रकाश सूर्य से मिलता है, जो हमारा सबसे नजदीकी तारा है। अगर हम पृथ्वी को बहुत दूर से देखें, जैसे कि चंद्रमा, तो यह चंद्रमा की तरह ही चमकता हुआ दिखाई देगा।
- आसमान में हम जो चंद्रमा देखते हैं वह एक उपग्रह है। यह हमारी पृथ्वी का साथी है और इसके चारों ओर चक्कर लगाता है। हमारी पृथ्वी की तरह, सात अन्य ग्रह हैं जो सूर्य से ऊष्मा और प्रकाश प्राप्त करते हैं। उनमें से कुछ के पास अपने चंद्रमा भी हैं।

सौर मंडल-

- सूर्य, आठ ग्रह, उपग्रह और कुछ अन्य खगोलीय पिंड जिन्हें क्षुद्रग्रह और उल्कापिंड के नाम से जाना जाता है सौर मंडल का निर्माण करते हैं। हम इसे अक्सर सौर परिवार कहते हैं, जिसका मुखिया सूर्य है।

सूर्य-

- सूर्य सौर मंडल के केंद्र में है। यह बहुत बड़ा है और बेहद गर्म गैसों से बना है। यह सौर मंडल को बांधने वाला खिंचाव बल प्रदान करता है। सूर्य सौर मंडल के लिए

ऊष्मा और प्रकाश का अंतिम स्त्रोत है। लेकिन वह प्रचंड गर्मी हमें इतनी महसूस नहीं होती क्योंकि हमारा सबसे नजदीकी तारा होने के बावजूद यह हमसे बहुत दूर है। सूर्य पृथ्वी से लगभग 150 मिलियन किमी दूर है।

ग्रह-

- हमारे सौर मंडल में आठ ग्रह हैं। सूर्य से उनकी दूरी के क्रम में, वे हैं: बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, यूरेनस और नेपच्यून।

> सूर्य से उनकी दूरी के अनुसार अंग्रेजी में ग्रहों के नाम याद रखने का आसान तरीका है:
>
> **MY VERY EFFICIENT MOTHER JUST SERVED US NUTS.**

- सौरमंडल के सभी आठ ग्रह सूर्य के चारों ओर निश्चित पथों पर घूमते हैं। ये पथ लम्बे होते हैं। इन्हें कक्षाएँ कहते हैं। बुध सूर्य के सबसे निकट है। इसे अपनी कक्षा में एक चक्कर पूरा करने में लगभग 88 दिन लगते हैं। शुक्र को 'पृथ्वी का जुड़वाँ' माना जाता है क्योंकि इसका आकार और आकृति लगभग पृथ्वी के ही समान है।
- अभी तक प्लूटो को भी एक ग्रह माना जाता था। हालाँकि, अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ की एक बैठक में यह निर्णय लिया गया कि हाल ही में खोजे गए अन्य खगोलीय पिंडों (सेरेस, 2003 यूबी) की तरह प्लूटो को भी 313 'बौने ग्रह' कहा जा सकता है।

पृथ्वी-

- पृथ्वी सूर्य के सबसे निकट का तीसरा ग्रह है। आकार में यह पाँचवाँ सबसे बड़ा ग्रह है। यह ध्रुवों पर थोड़ा चपटा है। इसीलिए, इसके आकार को जियोइड कहा जाता है। जियोइड का अर्थ है पृथ्वी जैसी आकृति।
- अंतरिक्ष से देखने पर , पृथ्वी नीली दिखाई देती है क्योंकि इसकी दो-तिहाई सतह पानी से ढकी हुई है। इसलिए इसे नीला ग्रह कहा जाता है।

चाँद-

- हमारी धरती का सिर्फ़ एक उपग्रह है, वह है चाँद। इसका व्यास धरती के व्यास का सिर्फ़ एक-चौथाई है। यह इतना बड़ा इसलिए दिखाई देता है क्योंकि यह दूसरे खगोलीय पिंडों की तुलना में हमारे ग्रह के ज़्यादा नज़दीक है। यह हमसे लगभग 3,84,400 किलोमीटर दूर है।

@EXAMGURUSUDHIR Teachers Way

चित्र 1.3 : अंतरिक्ष से लिया गया चंद्रमा का चित्र

रोचक तथ्य

नील आर्मस्ट्रांग पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने 20 जुलाई 1969 को सबसे पहले चंद्रमा की सतह पर कदम रखा। मालूम करो कि क्या कोई भारतीय चंद्रमा पर गया है?

- **चंद्रमा पृथ्वी का एक चक्कर लगभग 27 दिनों में पूरा करता है। एक चक्कर पूरा करने में भी उसे ठीक उतना ही समय लगता है। नतीजतन, पृथ्वी पर हमें चंद्रमा का केवल एक ही भाग दिखाई देता है। चंद्रमा पर जीवन के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ नहीं हैं। इस पर पहाड़, मैदान और गड्ढे हैं। जो चन्द्रमा की सतह पर छाया बनाते हैं। पूर्णिमा के दिन चन्द्रमा पर इनकी छाया को देखा जा सकता है**

क्या आप जानते हैं?

प्रकाश की गति लगभग 3,00,000 किमी./प्रति सेकेंड है। इस गति के बावजूद सूर्य के प्रकाश को पृथ्वी तक पहुँचने में लगभग 8 मिनट का समय लगता है।

क्षुद्रग्रह -

तारों, ग्रहों और उपग्रहों के अलावा, कई छोटे पिंड भी हैं जो सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाते हैं। इन पिंडों को क्षुद्रग्रह कहा जाता है। वे मंगल और बृहस्पति की कक्षाओं के बीच पाए जाते हैं।

चित्र 1.5 : क्षुद्र ग्रह

@EXAMGURUSUDHIR Teachers Way

उल्कापिंड-

- सूर्य के चारों ओर घूमने वाले छोटे-छोटे पत्थरों के टुकड़ों को उल्कापिंड कहा जाता है। कभी-कभी ये उल्कापिंड पृथ्वी के पास आते हैं और उस पर गिरते हैं। इस प्रक्रिया के दौरान हवा के साथ घर्षण के कारण वे गर्म हो जाते हैं और जल जाते हैं। इससे रोशनी चमकती है। कभी-कभी, कोई उल्का पूरी तरह से जले बिना ही पृथ्वी पर गिर जाता है जिससे धरातल पर गढ़े बन जाते है।

मिल्की वे आकाशगंगा-

- यह लाखों तारों का एक समूह है। यह पट्टी मिल्की वे आकाशगंगा है (चित्र 1.6)। हमारा सौरमंडल इस आकाशगंगा का एक हिस्सा है। प्राचीन भारत में इसे आकाश में बहती हुई प्रकाश की नदी माना जाता था। इसलिए इसे आकाश गंगा नाम दिया गया। आकाशगंगा अरबों तारों और धूल और गैसों के बादलों की एक विशाल प्रणाली है। ऐसी लाखों आकाशगंगाएँ हैं जो ब्रह्मांड बनाती हैं।

चित्र 1.6 : आकाश गंगा

रॉकेट का प्रक्षेपण   रॉकेट का पृथ्वी पर गिरना   उपग्रह का कक्षा में प्रवेश

चित्र 1.4 : मानव-निर्मित उपग्रह

उपग्रह एक खगोलीय पिंड है, जो ग्रहों के चारों ओर उसी प्रकार चक्कर लगाता है, जिस प्रकार ग्रह सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाते हैं।

मानव-निर्मित उपग्रह एक कृत्रिम पिंड है। यह वैज्ञानिकों के द्वारा बनाया गया है, जिसका उपयोग ब्रह्मांड के बारे में जानकारी प्राप्त करने एवं पृथ्वी पर संचार माध्यम के लिए किया जाता है। इसे रॉकेट के द्वारा अंतरिक्ष में भेजा जाता है एवं पृथ्वी की कक्षा में स्थापित कर दिया जाता है।

अंतरिक्ष में उपस्थित कुछ भारतीय उपग्रह इनसेट, आई.आर.एस., एडूसैट इत्यादि हैं।

क्या आप ब्रह्मांड के साथ अपना संबंध बता सकते हैं? आप पृथ्वी पर हैं तथा पृथ्वी सौरमंडल का एक भाग है। हमारा सौरमंडल आकाशगंगा (मिल्की वे) का एक भाग है, जो ब्रह्मांड का हिस्सा है। ब्रह्मांड से जुड़े इस तथ्य पर विचार कीजिए कि इसमें लाखों आकाशगंगाएँ मौजूद हैं। इस चित्र में आपका स्थान कहाँ है?

NCERT not to be republished

@EXAMGURUSUDHIR Teachers Way

बहुत बहुत धन्यवाद आपने टीचर्स वे पर भरोसा जताया ये नोट्स पिछली परीक्षाओ को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और आशा है नही पूरा भरोसा है आपके एग्जाम में ये पूरा योगदान देगा आपके उज्वल भविष्य की कामना करते है.!

For Any Quiry whatsapp-7906236059

Teachers way

@examgurusudhir

TEACHER'S WAY

www.Teachersway.in

Sudhir Sir

@EXAMGURUSUDHIR

Teachers Way